तापमान
अधिकतम 28 .8 डिग्री
न्यूनतम 8 .8 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 16 फरवरी 2025

11 शांतिपूर्वक हुई दसवीं की सीबीएसई की परीक्षा ...

12 समारोह में छात्राओं ने बिखेरी हरियाणवी ...

BACHPAN
Kyunki bachpan sirf ek baar aata hai
BACHPAN PLAY SCHOOL
in collaboration with
AFFORDABLE FEE
AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
GALI NO.1, BASANT VIHAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK-124001
Contact us: 94161-48363, 94168-64945

— VENUE —
AKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
Venue 1 : Basant Vihar, Rohtak
Dr. Ashok Duhan - 94161 48363
Venue 2 : Kathmandi Branch, Rohtak
Mrs. Neha - 70567 65951
Venue 3 : DPS, Jassia, Rohtak
Dr. Sunita Duhan - 94168 64945

ADMISSION OPEN 2025-26
SCHOLARSHIP
Test - 2025
Classes : 6 th to 12 th
DATE : 23 February 2025 | TIME : 9 AM to 12 NOON

खबर संक्षेप

मदवि ने कई परीक्षाओं के परिणाम जारी किए

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2024 में आयोजित पीएचडी कोर्स वर्क भूगोल री-अपीयर की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। एसोसिएट कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

सांपला: टॉवर की बैटरी चोरी, केस दर्ज

सांपला। खेड़ी सांपला में शिव फैक्ट्री के बाहर खाली प्लाट में टॉवर की बैटरी को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। चौकीदार मनीष के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। मनीष ने बताया कि 24 बैटरी चोरी की गई है। वहीं गांधरा मोड़ पर स्थित एक दुकान का ताला तोड़ कर अज्ञात व्यक्ति हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने दुकानदार सोमबीर के बयान पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

कार चालक से मांगी लिफ्ट ले उड़ा सोने की चेन

महम। एक कार चालक एनएच 152डी के रास्ते जींद से कलानौर जा रहा था। इस दौरान एक महिला ने उसकी सोने की चेन चोरी कर ली। महम थाने में दी शिकायत में जींद जिला के मांडी खुर्द गांव निवासी नरवीर पुत्र सूरजमल ने बताया कि वह ब्लड बैंक में काम करता है। गत दिवस वह राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 152 डी से कलानौर जा रहा था। जब वह खरकड़ा गांव के पास पहुंचा तो एक महिला ने उससे लिफ्ट मांगी। थोड़ी दूर चलते ही वह महिला उसके साथ गलत हरकत करने लगी। जिस वजह से उसने उस महिला को वहीं पर उतार दिया। घर पहुंचकर देखा तो गले से उसकी सोने की चेन गायब मिली। उसे शक है कि उस महिला ने ही उसके गले की चेन चोरी कर ली है। एफआईआर के मुताबक सोने की चेन की कीमत एक लाख रुपए है। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

मानसरोवर पार्क में आज होगी मीटिंग

रोहतक। हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज की मीटिंग रविवार सुबह दस बजे मानसरोवर पार्क के सिटीजन क्लब पार्क में होगी। संगठन के राज्य प्रधान चेयरमैन मेहर सिंह नैन ने बताया कि बैठक में पूरी कार्यकारिणी के अलावा जिलों के प्रधान व महा सचिव भी आमंत्रित किए गए हैं। ये पदाधिकारी डिमांड को लेकर विचार विमर्श करेंगे। बैठक के बाद डीसी के माध्यम से सरकार को मांगपत्र सेवानिवृत कर्मचारी भेजेंगे। नैन ने कहा कि रिटायर कर्मचारी दस साल से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन सरकार डिमांड पूरा नहीं कर रही है।

पावर पॉइंट में श्रुति ने हासिल किया पहला स्थान

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में कंप्यूटर सोसाइटी के तत्वाधान में पावर पॉइंट कंपटीशन का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय शिक्षा के क्षेत्र में एआई का योगदान रहा। इस प्रतियोगिता में एमएससी प्रथम वर्ष की छात्रा श्रुति ने पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं बीएससी (कंप्यूटर साइंस) द्वितीय वर्ष की छात्रा स्मृति ने दूसरा तथा छात्रा नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भाजपा ने पार्षद उम्मीदवार किए घोषित, पुराने कार्यकर्ताओं पर भरोसा

मेयर: भाजपा के 'अवतार' को कांग्रेस के 'सूरज' देंगे टक्कर

कांग्रेस ने सूरजमल किलोई को दी मेयर की टिकट

- आदमी पार्टी ने फतेहपुरी कॉलोनी के निवासी अमित खटक को मेयर का टिकट दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कांग्रेस ने रोहतक से मेयर के टिकट का ऐलान कर दिया है। भाजपा से कांग्रेस में वापिसी करने वाले नेता सूरजमल किलोई को मेयर का टिकट दिया गया है। उनका मुकाबला भाजपा के उम्मीदवार रामअवतार वाल्मीकि से होगा जो कलानौर से तीन बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। इसके साथ ही दोनों प्रत्याशियों ने जनसंपर्क शुरू कर दिया है। वहीं आम आदमी पार्टी ने रोहतक की फतेहपुरी कॉलोनी के निवासी अमित खटक को मेयर का टिकट थमाया है।

भाजपा ने 22 पार्षदों की सूची जारी की

भारतीय जनता पार्टी ने पार्षद पद के 22 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जिसमें पुराने वर्करों पर भरोसा जताया गया है, साथ ही नए चेहरों को भी मौका दिया गया है।

इसमें सामान्य, ओबीसी और एससी कैटेगरी के उम्मीदवारों को तवज्जो दी गई है। भाजपा ने वार्ड एक से अक्षय, वार्ड 2 से आशालता, वार्ड 3 से शोभा बिड़लान, वार्ड 4 से रिंकू देवी, वार्ड 7 से कपिल नागपाल, वार्ड 8 से कविता देवी, वार्ड 9 से कुलवीर, वार्ड 10 से मेजर ज्योति, वार्ड 11 से राजेश प्रधान, वार्ड 12 से सुशील नांदल, वार्ड 13 से सूबेदार धर्मबीर, वार्ड 18 से देवी रानी, वार्ड 19 से नरेंद्र कौशिक, वार्ड 20 से प्रवीण कौशिक, वार्ड 21 से बिजेंद्र और वार्ड 22 से रीना रानी को टिकट दिया है।

रामअवतार वाल्मीकि

सूरजमल किलोई

कंचन खुराना और कपिल नागपाल पर फिर भरोसा

भाजपा ने वार्ड 5 से पूर्व पार्षद सुरेश किराड़, वार्ड 6 से पूर्व पार्षद नीरा भटनागर, वार्ड 14 से पूर्व पार्षद कंचन खुराना, वार्ड 15 से पूर्व पार्षद अनिता मिगलानी, वार्ड 16 से पूर्व पार्षद मुक्ता नागपाल, वार्ड 17 से पूर्व पार्षद डिम्पल जैन को टिकट दिया है। इन नेताओं को टिकट देकर पाटी ने पुराने चेहरों पर भरोसा जताया है।

कंचन खुराना।

कपिल नागपाल।

किसी ने मेयर पद के लिए नहीं किया नामांकन

नगर निगम आम चुनाव के लिए मेयर पद से किसी ने नामांकन नहीं किया है। हालांकि कई वार्डों से पार्षदों ने नामांकन किए हैं। नगर निगम आम चुनाव के निर्धारित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 17 फरवरी (16 फरवरी रविवार को छोड़कर) को प्रातः 11 बजे से दोपहर बाद 3 बजे तक निर्वाचन अधिकारी तथा संबंधित वार्डों के सहनिर्वाचन अधिकारियों के कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकते हैं।

विस का टिकट कटा तो मेयर का टिकट मिला

सूरजमल किलोई रोहतक का जाना माना चेहरा हैं। वे 55 साल के हैं। उनकी शिक्षा एलएलबी है। सन 2000 में राजनीति में आए और पैतृक गांव किलोई में पंचायत सदस्य बने। सूरजमल किलोई ने बताया कि वे 2005, 2013 और 2018 में रोहतक से पार्षद रहे। उनका तीन पीढ़ियों से कांग्रेस से नाता है। उनकी पत्नी पूनम किलोई भाजपा से पूर्व पार्षद हैं। भारतीय जनता पार्टी में लम्बे समय तक काम करने के बाद सूरजमल किलोई कलानौर विधानसभा से टिकट के दावेदार थे लेकिन भाजपा ने पूर्व मेयर रेनू डाबला को एमएलए का टिकट दिया जो चुनाव हार गई थी। इस वजह से सूरजमल ने भाजपा को त्यागकर कांग्रेस में वापसी कर ली थी।

एमबीबीएस परीक्षा में फर्जीवाड़ा

पीजीआईएमएस प्रशासन ने परीक्षा नियंत्रक को हटाया

- 17 कर्मचारियों व 24 विद्यार्थियों के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश
- जांच कमेटी की रिपोर्ट मिलने पर की गई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ने एमबीबीएस परीक्षा धांधली मामले में जांच रिपोर्ट मिलने के बाद कार्यवाही शुरू कर दी है। जारी आदेशों के तहत तुरंत प्रभाव से डा अमरीश के स्थान पर डा सुखदेव सिंह चान्दला को विश्वविद्यालय के परीक्षा नियन्त्रक का चार्ज दे दिया गया है। 6 परीक्षा शाखा के नियमित कर्मचारियों को निलम्बित कर दिया गया है। परीक्षा शाखा के 6 आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाओं को समाप्त कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के अधिनियम के तहत बोर्ड ऑफ डिसिप्लिन को 30 विद्यार्थियों, जिनके नाम को रिपोर्ट में उल्लेखित किया गया था उनके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा 17 कर्मचारियों व 24 विद्यार्थियों के खिलाफ केस दर्ज करने के लिए पुलिस को जांच रिपोर्ट के साथ अन्य सभी दस्तावेज सुपूर्द कर दिए गए हैं।

गौरतलब है कि स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में करीब एक माह पहले एक शिकायत कुछ दस्तावेज व विडियो सहित प्राप्त हुई थी जिसमें एमबीबीएस परीक्षा में कुछ धांधलियों व खामियों को उजागर किया गया था। जिस पर तुरंत प्रभाव से संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने दो कर्मचारियों रोशन लाल व रोहित को निलंबित कर दिया था और तीन आउटसोर्स कर्मचारी दीपक, इंदू बजाज व रितू की सेवाओं पर रोक लगा दी थी। इसके अलावा उपरोक्त शिकायत की गहनता से जांच करने के लिए एक जांच कमेटी का गठन किया गया था, जिसे अपनी रिपोर्ट एक महीने के अन्दर देनी थी। साथ ही परीक्षा शाखा के कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से वहां से बदल दिया गया था और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मौके पर उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के आदेश तुरंत प्रभाव से दे दिए गए थे।

जांच कमेटी ने रिपोर्ट सौंपी

जांच कमेटी ने एक महीने के अन्दर ही अपनी रिपोर्ट विश्वविद्यालय को सौंप दी है जिसमें जांच कमेटी ने शिकायत में लगाये गये सभी आरोपों की सत्यता की पुष्टि की है। जांच कमेटी की रिपोर्ट पर कार्यवाही करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा एफआईआर एवं अधिकारी के तबादले के आदेश जारी किए गए हैं।

आईसी कॉलेज में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 30 छात्राओं को शॉर्टलिस्ट किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय स्नातकोतर महिला महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गई। प्लेसमेंट के दौरान चयन प्रक्रिया को दो भागों में विभाजित किया गया, पहले भाग में 60 छात्राओं ने भाग लिया, उसमें से 30 छात्राओं को शॉर्टलिस्ट किया गया एवं इन शॉर्टलिस्टेड छात्राओं को दूसरे भाग की चयन प्रक्रिया में शामिल किया गया और उनको अपने कार्य के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्राचार्या डॉ. दर्शना ने सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर प्लेसमेंट सेल से डॉ. पुष्पदीप डागर, डॉ. भूपेंद्र, डॉ. सविता, निर्मला सोनी, संकेत, जोगिंदर, डॉ. साक्षी बंसल, डॉ. मुक्ता सोनी आदि उपस्थित रहे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रति जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी में- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन रिसर्च: रेवोल्यूजनिंगडिस्कवरी एंड इनोवेशन विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। प्रो. राजेश धनखड़, डीन, जीवन विज्ञान संकाय, एमडीयू ने बतौर मुख्यातिथि इस कार्यशाला का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी विषयों में अनुसंधान के विशाल परिदृश्य को बदलने और नवाचारों के लिए नए रास्ते खोलने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व पर जोर दिया। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के फैकल्टी ऑफ मीडिया स्टडीज के प्रोफेसर डॉ. उमेश आर्य ने बतौर वक्ता इस कार्यशाला में शिरकत की। उन्होंने अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया। प्रो. आर्य ने उपस्थित लोगों को विभिन्न एआई उपकरणों से परिचित कराया, जिनका उपयोग शिक्षाविद आसानी से शोध के विभिन्न पहलुओं को बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।सीसीपीसी निदेशिका प्रो. दिव्या मल्हान ने बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यशाला में शिरकत की। सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. हरि मोहन ने प्रारंभ में स्वागत किया और कार्यशाला का संक्षिप्त विवरण दिया। कार्यक्रम का संचालन सीएमबीटी की शोध छात्रा समृद्धि पुष्करना ने किया। डा. रश्मि भारद्वाज ने आभार जताया। इस अवसर पर प्राध्यापक डॉ. अनिल कुमार, डॉ. दर्शना चौधरी, डॉ. के.के. शर्मा समेत अन्य शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

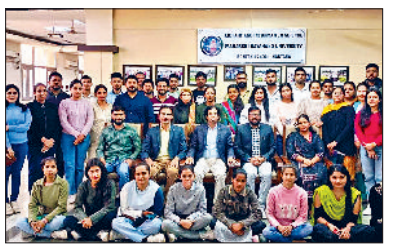

मदवि: डाटा एनालिसिस में एआई को महत्वपूर्ण बताया

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा- एआई फॉर क्वांटिटेटिव डाटा एनालिसिस विषय पर विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पांडे ने बतौर मुख्य वक्ता यह व्याख्यान दिया और अपने अनुभव व विचार विद्यार्थियों व शोधार्थियों के साथ साझा किए। उन्होंने डाटा एनालिसिस में एआई को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने एआई का उपयोग पूरी सजगता से करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कादयान ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया।

चुनाव की तैयारी 28 फरवरी को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा मतदान

महम बार एसोसिएशन चुनाव: रिटर्निंग अधिकारी ने प्रशासन से मांगी ईवीएम

तैयारियों को अंतिम रुप देने में जुटा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

बार एसोसिएशन महम के 28 फरवरी को होने वाले चुनाव को सम्पन्न करवाने के लिए बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा द्वारा नियुक्त की गई चुनाव समिति इलेक्शन की तैयारियों में जुटी हुई है। रिटर्निंग अधिकारी राजेश गोयत और सह रिटर्निंग अधिकारी वेदप्रकाश अहलावत ने बताया कि वे चाहते हैं कि चुनाव शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न हो। चुनाव में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो और किसी मतदाता व उम्मीदवार को किसी तरह की तकलीफ न हो इसको ध्यान में रखते हुए लगातार तैयारियां की जा रही हैं। इस संबंध में प्रशासन से भी मदद ली जा रही है। चुनाव समिति चाहती है कि यह चुनाव ईवीएम मशीन से हों। इसके लिए उन्होंने जिला उपायुक्त को एक पत्र लिखकर ईवीएम मशीनों की मांग की गई है। जिला उपायुक्त ने इस बारे में नगर निगम रोहतक को पत्र भेजा है। उन्हें उम्मीद है कि चुनाव के लिए ईवीएम मशीनें उपलब्ध करवा दी जाएंगी। साथ ही ईवीएम एक्सपर्ट की भी मांग की गई है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान पुलिस सुरक्षा मुहैया करवाने के लिए जिला उपायुक्त को चिट्ठी लिखी गई है।

महम। बार एसो. महम के चुनाव के लिया कागजी कार्रवाई में लगे रिटर्निंग अधिकारी।

ऑब्जर्वर नियुक्त करने के लिए लिखी चिट्ठी

बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा को चुनाव के लिए ऑब्जर्वर नियुक्त करवाने बारे भी पत्र भेजा गया है। पोलिंग बूथ में मोबाइल, इलेक्ट्रोनिक्स उपकरण और किसी भी तरह का हथियार ले जाने की मनाही रहेगी। चुनाव की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करवाई जाएगी। इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि मतदान गुप्त हो। मतदान केंद्र बार रूम में बनाया जाएगा। मतदान केंद्र के बाहर भीड़ नहीं होने दी जाएगी। मतदान करने आए वकील को अपनी आईडी दिखानी होगी। जिसमें बार काउंसिल द्वारा जारी किया गया लाइसेंस आदि शामिल होंगे। यानि वकील होने का पहचान पत्र दिखाना होगा।

बैंडबाजा और पटाखे बजाने पर रोक

चुनाव कमेटी ने यह भी तय किया है कि चुनाव जीतने वाला प्रत्याशी कोर्ट परिसर में पटाखे व बैंडबाजा आदि नहीं बजाएंगी, ताकि किसी तरह का प्रदूषण न फैले। 28 फरवरी को चुनाव प्रक्रिया सुबह 8 बजे शुरू होगी और शाम 4 बजे तक चलेगी। मतदान के तुरंत बाद मतगणना की जाएगी और उस समय चुनाव परिणाम जारी कर दिए जाएंगे। मतदाता सूची में कुछ त्रुटी मिलने की वजह से अब मतदाताओं की संख्या अब 383 से बढ़कर 384 हो गई है।

टिटोली में बिजली निगम ने लगाया दरबार

रोहतक। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अर्ध शहरी उपमंडल ने गांव टिटौली में बिजली संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए दरबार लगाया। दरबार में लोगों को बिजली विभाग की अंत्योदय योजना , महरा गांव जगमग के तहत बकाया बिलों की माफ़ी योजना , प्रधानमंत्री सूर्या घर मुफ्त बिजली सोलर योजना के बारे में बताया गया। गांव के सरपंच रोहताश ने लोगों को दरबार में आने के लिए प्रेरित किया। उपमंडल अधिकारी राम प्रसाद ने ग्रामीणों से बिजली कनेक्शन और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर बकाया बिलों का भुगतान करने की अपील की और बताया कि गांव में बिजली उपकरणों और लाइनों की मरम्मत के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि आने वाली गर्मियों में लोगो को बिजली कटो की परेशानी का सामना ना करना पड़े। लाखन माजरा, सुनारिया, बालंद समरगोपालुर, निदाना, आदि में पुरानी तारों को बदलने का काम पूरा हो चुका है और अब टिटौली सहित अन्य गांवों में काम चालू किया गया है।

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव दौरान मुनाफे का सौदा

▶▶ परिसंपत्ति का 65 से 80% आवंटन शेयरों में किया जाता है निवेश
▶▶ शेष बॉन्ड में लगाया जाता है, इसमें नुकसान होने बेहद कम चांस
▶▶ शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती
▶▶ संतुलित परिसंपत्ति आवंटन से चुनौतियों से निपटने में समर्थ

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए हमेशा से ही एक चुनौती बनी हुई है। इसके साथ ही लंबे इंतजार के बाद ब्याज दर में कटौती की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में निवेश के मोर्चे पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड म्युचुअल फंड के जरिये निवेश समझदारी भरा कदम हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति के दबाव और ब्याज दर में संभावित कटौती जैसी आशंकाओं के कारण शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव वाले मौजूदा माहौल में निवेश के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड फंड बिल्कुल उपयुक्त हैं। ये संतुलित परिसंपत्ति आवंटन के कारण ऐसे फंड इन चुनौतियों से निपटने में अधिक समर्थ होते हैं।' 'हाइब्रिड फंड सभी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त होते हैं। ये फंड इक्विटी बाजार में नए निवेशकों के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इनसे परिसंपत्ति वर्ग में भरोसा बढ़ाने में मदद मिलती है।'

उतार-चढ़ाव से बचाव

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के तहत परिसंपत्ति का 65 से 80 फीसदी आवंटन शेयरों में और शेष बॉन्ड में किया जाता है। आम तौर पर ये फंड अपने इक्विटी पोर्टफोलियो के लिए लार्जकैप शेयरों में अधिक निवेश करने की रणनीति अपनाते हैं। इससे मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों में अधिक निवेश वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। ब्याज दरों में गिरावट आने पर पोर्टफोलियो के बॉन्ड वाले हिस्से से पूंजीगत लाभ मिलता है। मगर ब्याज दरों में वृद्धि होने पर अल्प अवधि में नुकसान भी हो सकता है।

70 फीसदी आवंटन लार्जकैप में

बाजार के जानकारों के अनुसार 'फिलहाल इस श्रेणी में 70 फीसदी से अधिक का आवंटन लार्जकैप शेयरों में किया जाता है। इससे पोर्टफोलियो को स्थिरता मिलती है और उस पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप में अधिक आवंटन वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले बाजार के उतार-चढ़ाव का कम असर होता है। स्मॉलकैप शेयरों में 5 से 7 फीसदी और बाकी

मिडकैप शेयरों में निवेश किया जाता है। इससे फंड के इक्विटी पोर्टफोलियो में मिडकैप एवं स्मॉलकैप से संबंधित जोखिम कम होता है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर फिलहाल अधिक मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा डेट वाला हिस्सा पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता प्रदान करता है।'

लार्जकैप बेहतर

आर्थिक मंदी और कंपनियों के सुस्त मुनाफे जैसी स्थितियों का सामना करने के लिए लार्जकैप शेयर आम तौर पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों के मुकाबले बेहतर स्थिति में होते हैं। 'वित्त वर्ष 2024 जैसी बाजार परिस्थितियों में हाइब्रिड फंड शुद्ध इक्विटी फंड के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन करते हैं। मगर वे लंबी अवधि में जोखिम के बाद भी बेहतर रिटर्न देते हैं क्योंकि बाजार का रुख आम तौर पर चक्रीय होता है। शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के शानदार रिटर्न के बाद 2025 उतार-चढ़ाव वाला वर्ष हो सकता है। ऐसे में हाइब्रिड फंड का प्रदर्शन आम तौर पर बेहतर होता है। इसके अलावा हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक इस साल दरों में कटौती करेगा। इससे डेट फंड को अधिक रिटर्न देने में मदद मिलेगी क्योंकि बॉन्ड की कीमतों में तेजी आ सकती है।'

किसे करना चाहिए निवेश?

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों को आकर्षित करते हैं जो अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। 'यह फंड कम जोखिम लेने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है क्योंकि डेट आवंटन के कारण इसमें उतार-चढ़ाव का जोखिम कम होता है। इसके अलावा यह फंड उन नए निवेशकों के लिए भी उपयुक्त हैं जो शेयर बाजार में अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीके से प्रवेश करना चाहते हैं और जिनके वित्तीय लक्ष्य मध्यावधि के लिए हैं।'

इन बातों का रखें ध्यान

निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का आकलन करना चाहिए और जोखिम लेने की अपनी क्षमता के अनुरूप फंडों का चयन करना चाहिए। उन्हें निवेश से पहले फंड के पिछले प्रदर्शन पर भी गौर करना करना चाहिए। वैसे तो इन फंडों की रफ्तार अपेक्षाकृत स्थिर होती है, लेकिन कभी-कभी उतार-चढ़ाव का दौर भी दिख सकता है। इसलिए निवेशकों को कम से कम 5 साल के लिए निवेश पर विचार करना चाहिए। इन फंडों में निवेश करने का सबसे प्रभावी तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है। 'अग्रेसिव हाइब्रिड फंडों में कम से कम 3 से 5 साल तक निवेश रखना चाहिए। इससे निवेशक को बाजार चक्रों के प्रभावों से निपटने और संतुलित रिटर्न हासिल करने में मदद मिलती है।' उनका सुझाव है कि मध्यम जोखिम लेने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 15 से 25 फीसदी आवंटन इस फंड में कर सकते हैं जबकि कम जोखिम लेने वाले निवेशकों को 10 से 15 फीसदी आवंटन करना चाहिए।

मल्टी एसेट फंड बाजार की उथल-पुथल के बीच स्टेबल रिटर्न का दम

■ 1 से 5 साल में मल्टी एसेट फंड की टॉप स्कीम्स ने दिया अच्छा पैसा
■ कम पैसों में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने के लिए जाना जाता है
■ इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

बाजार में भारी उथल-पुथल हो तो तमाम निवेशकों के सामने स्टेबल रिटर्न हासिल करने की चुनौती खड़ी हो जाती है। म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले रिटेल इनवेस्टर्स के सामने भी यही सवाल होता है कि इक्विटी फंड्स के गिरते रिटर्न के बीच उन्हें कहां निवेश करना चाहिए? हालांकि इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना चाहिए और शॉर्ट टर्म में होने वाली उथल-पुथल से घबराना नहीं चाहिए, लेकिन सच तो यह भी है कि इक्विटी मार्केट के उतार-चढ़ावों को बैलेंस करने के लिए आपके पोर्टफोलियो में डेट से लेकर गोल्ड और सिल्वर तक, दूसरे एसेट क्लास वाले निवेश भी शामिल होने चाहिए। मगर जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो इतना बड़ा नहीं होता कि वे इतने सारे अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश कर सकें, उनके सामने क्या विकल्प? इस सवाल का जवाब हो सकते हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के जरिये कम पैसों में ही पोर्टफोलियो को तमाम एसेट क्लास में डायवर्सिफाई किया जा सकता है।

एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. व्हाइटओक कैपिटल मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	19.66%
2. डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	17.23%
3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	16.11%
4. निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.98 %
5. आदित्य बिड़ला सन लाइफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.81%
6. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.45%
7. बंधन मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.39%
8. एक्सिस मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.10%

लॉन्ग टर्म रिटर्न : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का लॉन्ग टर्म रिटर्न देखने से पता चलता है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए भी यह काफी बेहतर विकल्प हो सकते हैं। टॉप 5 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के पिछले 5 साल के रिटर्न के आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. क्वांट मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	27.78 %
2. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	21.68%
3. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.84%
4. एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.70%
5. एसबीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	14.39%

मल्टी एसेट फंड्स की इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स की निवेश रणनीति में निवेशकों को हमेशा स्टेबल और बैलेंस्ड रिटर्न देने पर जोर दिया जाता है। अपने इस मकसद को हासिल करने के लिए ये फंड इक्विटी और डेट के अलावा गोल्ड, सिल्वर, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स में भी पैसे लगाते हैं। इक्विटी, डेट और गोल्ड में इनका निवेश कम से कम 10-10% होता है। ऐसी निवेश रणनीति और अल-अलग एसेट क्लास में बंटे पोर्टफोलियो की वजह से ये फंड बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के दौरान भी बेहतर रिटर्न देने में सफल होते हैं। साथ ही ये फंड कम रिस्क में बेहतर रिटर्न के लिए बाजार के हालात और ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए अपने एसेट एलोकेशन में बदलाव भी करते रहते हैं।

अस्थिरता के दौर में निवेश का बेहतर विकल्प

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स को उनके डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो की वजह से उतार-चढ़ाव भरे माहौल में निवेश का बेहतर तरीका माना जाता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स की कैटेगरी में आने वाले इन फंड्स के पोर्टफोलियो में इक्विटी से लेकर डेट और गोल्ड-सिल्वर समेत तमाम अलग-अलग एसेट्स क्लास शामिल होते हैं। यही वजह है कि इनका रिस्क-रिटर्न बैलेंस काफी अच्छा रहता है।

टॉप मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का 1 साल का रिटर्न

इन दिनों बाजार में देखी जा रही भारी उथल-पुथल के बावजूद कम से कम 8 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हैं, जिन्होंने 1 साल में 15% से ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाले फंड का एक साल का रिटर्न लगभग 20% रहा है। एक हाइब्रिड फंड्स के लिए इतना रिटर्न काफी अच्छा माना जा सकता है। खास तौर पर बाजार में गिरावट के माहौल को देखते हुए यह वाकई बढ़िया प्रदर्शन है।

किनके लिए सही हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

ऐसे इनवेस्टर मल्टी एसेट एलोकेशन फंड में निवेश करने की सोच सकते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के दौरान स्टेबल रिटर्न चाहते हैं और इसके लिए अपने पोर्टफोलियो में हर एसेट क्लास को जगह देना चाहते हैं। खास तौर पर ऐसे छोटे निवेशक, जो डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो तैयार करने के लिए ज्यादा बड़ी रकम नहीं लगा सकते, मल्टी एसेट फंड पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता के बावजूद इक्विटी में एक्सपोजर और दूसरे एसेट्स के बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होने के कारण ज्यादातर मल्टी एसेट फंड्स का रिस्क लेवल 'हाई' या 'वेरी हाई' रखा गया है। यानी रिस्क तो इनमें निवेश के साथ भी जुड़ा हुआ है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले सभी बातों को अच्छी तरह समझ लें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सिफारिश करना नहीं है। म्यूचुअल फंड के पिछले रिटर्न को भविष्य में वैसे ही प्रदर्शन की गारंटी नहीं माना जा सकता। निवेश का कोई भी फैसला सेबी से मान्यता प्राप्त निवेश सलाहकार की राय लेने के बाद ही करें।)

पैसिव म्यूचुअल फंड बढ़ रहा बोलबाला एयूएम 24% बढ़कर 11 लाख करोड़ पर

●लगातार निवेशकों की बनते जा रहे हैं पसंद, दे रहे बढ़िया रिटर्न ● इस साल पैसिव फंडों ने मचाया धमाल, दिया कई गुणा मुनाफा ● पैसिव म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी

योजना
बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ रही म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में इस समय पैसिव फंड का बोलबाला है। साल 2024 में इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सहित पैसिव फंड के निवेशकों के पोर्टफोलियो यानी खाता संख्या में 37 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 24% से ज्यादा बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। आखिर पैसिव फंड क्या होते हैं, जिनका बोलबाला इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है और निवेशकों को यह फंड क्यों इतने पसंद आ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड हाउसों ने 2024 में कुल 122 नई पैसिव फंड योजनाएं लॉन्च कीं। फंड इंडस्ट्री में सबसे प्रमुख कंपनियों में शामिल निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के पास अब पैसिव फंडों में 1.46 करोड़ पोर्टफोलियो हैं। इसका कुल एयूएम 1.65 लाख करोड़ रुपये है और ईटीएफ के ट्रेडिंग वॉल्यूम का 55% बड़ा हिस्सा है। कोटक म्यूचुअल फंड, एक्सिस और मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड जैसे अन्य फंड हाउसों ने भी पैसिव फंड में बेहतर वृद्धि दर्ज की है।

निवेशकों को समझना आसान

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने साल 2024 में पैसिव कैटेगरी में 8 नए फंड लॉन्च किए। अब उसके पास उद्योग में 24 ईटीएफ और 21 इंडेक्स फंड हैं। इस श्रेणी को चुनने में निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए अन्य एएमसी ने भी कई पैसिव फंड लॉन्च किए हैं। पैसिव फंडों ने भी निवेशकों को आकर्षित किया है, क्योंकि उनकी लागत संरचना कम होती है और उन्हें समझना आसान होता है, जिससे वे रिटेल और फंड मैनेजर दोनों निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण

जो लोग सोच रहे हैं कि पैसिव म्यूचुअल फंड क्या हैं, तो इसका जवाब अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण में निहित है। अपने सक्रिय समकक्षों के विपरीत, पैसिवली मैनेज्ड फंड बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास नहीं करते हैं। इसके बजाय, उनका प्राथमिक लक्ष्य ऐसे रिटर्न प्राप्त करना है जो बेंचमार्क इंडेक्स को बारीकी से दर्शाते हैं। नतीजतन, फंड मैनेजर की भूमिका अपेक्षाकृत निष्क्रिय होती है, जो एक पोर्टफोलियो संरचना को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करती है जो इंडेक्स की अंतर्निहित परिसंपत्तियों को दर्शाती है।

क्यों खास हैं पैसिव फंड

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के ईटीएफ प्रमुख अरुण सुंदरेसन कहते हैं कि पैसिव एक दिलचस्प ऑफरिंग बनाता है। फंड बाजार के विभिन्न हिस्सों में शुद्ध एक्सपोजर प्रदान करते हैं, जिससे वे सच्चे, सही लेबल उत्पाद बन जाते हैं। बहुत सारे अनूठे फंड हैं, जो निवेशकों को चुनने के लिए बहुत अलग पोर्टफोलियो और विभिन्न प्रकार के जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल प्रदान करते हैं। इनके इसी डाईवर्सिफिकेशन की वजह से निवेशकों को यहां पैसे लगाना कम जोखिम वाला लगता है।

क्या होते हैं पैसिव फंड

पैसिव म्यूचुअल फंड में किसी सूचकांक या खंड को ट्रैक किया जाता है और इसमें अलग-अलग स्टॉक को चुनने की जरूरत नहीं होती है। इनका खर्चा भी एक्टिव फंड की तुलना में कम आता है। ये फंड बाजार के सूचकांक को दोहराने की कोशिश करते हैं, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करके अपने जोखिम का आकलन करते हैं। जैसा शेयर बाजार प्रदर्शन करता है, उसी के मुताबिक निवेशकों को रिटर्न देते हैं। इन पर जोखिम भी कम होता है और लंबी अवधि में निवेश करने पर ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं

पैसिव फंड्स की मुख्य अपील उनकी कम लागत में निहित है, क्योंकि वे आम तौर पर एक्टिव फंड्स की तुलना में कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें व्यापक शोध, स्टॉक चयन और लगातार ट्रेडिंग की आवश्यकता नहीं होती है, जो सभी खर्चों को बढ़ा सकते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

पैसिव फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और बाजार के व्यापक क्षेत्रों में एक्सपोजर प्राप्त करने का एक लागत प्रभावी तरीका प्रदान करते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

तैयारी — पिछले साल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ का निवेश हुआ था, दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486% का उछाल आया

दिसंबर 2024 में गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये का निवेश हुआ

गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश कर रहे लोग, करीब 6 गुना बढ़ा जनवरी में 3,751.42 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर नेट इनफ्लो

इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत में नए साल की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड निवेश हुआ। यह लगातार 9वां महीना है जब घरेलू स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। इससे पहले बीते साल अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में नेट आउटफ्लो देखा गया था। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 18 गोल्ड ईटीएफ में जनवरी 2025 के दौरान रिकॉर्ड 3,751.42 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इससे पहले सबसे ज्यादा मंथली नेट इनफ्लो (+1,961.57 करोड़ रुपये) बीते साल अक्टूबर में आया था। पिछले साल की समान अवधि यानी जनवरी 2024 के मुकाबले यह 471 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल की समान अवधि के दौरान देश के कुल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486 फीसदी का उछाल आया है। दिसंबर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था।

समझदारी
बिजनेस डेस्क

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी और लगातार इनफ्लो के चलते जनवरी के अंत में गोल्ड ईटीएफ का नेट एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर रिकॉर्ड 51,839.39 करोड रुपये पर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि के दौरान यह 27,778.08 करोड़ रुपये था जबकि दिसंबर 2024 में यह 44,595.60 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। जनवरी के दौरान घरेलू स्तर पर गोल्ड की बेंचमार्क कीमतों में 8 फीसदी का इजाफा हुआ। इसी अवधि के दौरान घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी क्रमश 0.6 और 0.8 फीसदी टूटे। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तो क्रमशः 6 फीसदी और 10 फीसदी की जोरदार गिरावट रही।

क्या कहते हैं आंकड़े

इससे पहले पूरे कैलेंडर ईयर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल 11,266.11 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ जबकि कैलेंडर ईयर 2023 के दौरान 2,923.81 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। कैलेंडर ईयर 2022 के दौरान 11 गोल्ड ईटीएफ में कुल 458.79 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

2024 में मंथली निवेश/निकासी

- दिसंबर 2024 +640.16 करोड़ रुपये
- नवंबर 2024 +1,256.72 करोड़ रुपये
- अक्टूबर 2024 +1,961.57 करोड़ रुपये
- सितंबर 2024 +1,232.99 करोड़ रुपये
- अगस्त 2024 +1,611.38 करोड़ रुपये
- जुलाई 2024 +1,337.35 करोड़ रुपये
- जून +726.16 करोड़ रुपये
- मई +827.43 करोड़ रुपये
- अप्रैल -395.69 करोड़ रुपये
- मार्च +373.36 करोड़ रुपये
- फरवरी +657.46 करोड़ रुपये
- जनवरी +997.22 करोड़ रुपये

क्यों जमकर लग रहा पैसा

जानकारों के अनुसार इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता ने निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। गोल्ड में बेहतर रिटर्न की संभावना के बीच निवेशक फिलहाल अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने के लिए इस एसेट क्लास में ईटीएफ के जरिये जमकर निवेश कर रहे हैं। साथ ही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कोई और सीरीज के आगे लॉन्च नहीं होने के आसार और पिछले बजट में टैक्स नियमों में हुए बदलाव के बाद गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण बढ़ा है।

ग्लोबल लेवल पर शानदार शुरुआत

ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ के लिए नए साल की शुरुआत शानदार रही। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल से मिले ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2025 की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में निवेश 3 बिलियन डॉलर बढ़ा। वॉल्यूम /होल्डिंग के लिहाज से इस दौरान निवेश में 34.5 टन की वृद्धि हुई। सोने की कीमतों में तेजी और लगातार दूसरे महीने आए इनफ्लो के दम पर जनवरी 2025 के अंत तक गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम और टोटल होल्डिंग बढ़कर क्रमशः रिकॉर्ड 294.2 बिलियन डॉलर और 3,253.3 टन पर पहुंच गए। ग्लोबल लेवल पर ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच जनवरी में सोने के भाव में तकरीबन 8 फीसदी का इजाफा हुआ।

28.6 टन का आउटफ्लो

पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के दौरान भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 0.3 बिलियन डॉलर यानी 3.6 टन बढ़ा था। हालांकि बीते साल नवंबर में लगातार छह महीने की तेजी के बाद गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर यानी 28.6 टन का आउटफ्लो दर्ज किया गया था।जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ को सबसे तगड़ा सपोर्ट यूरोप से मिला। पिछले महीने यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़कर मार्च 2022 के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान यूरोप में 3.4 बिलियन डॉलर (+39 टन) का नेट इनफ्लो देखा गया। ज्यादातर निवेश इंग्लैंड और जर्मनी में आया। हालांकि बीते साल ज्यादातर महीने यूरोप में नेट आउटफ्लो दर्ज किया गया था। नार्थ अमेरिकी फंडों में लगातार दूसरे महीने जनवरी में आउटफ्लो देखा गया। इस दौरान नार्थ अमेरिकी फंडों से निवेशकों ने नेट 499 मिलियन डॉलर (-5.9 टन) निकाले। जबकि एशियाई फंडों में निवेशकों ने जनवरी में नेट 57 मिलियन डॉलर (+0.3 टन) डाले। एशिया में भारत इनफ्लो के मामले में सबसे आगे रहा। हालांकि चीन में इस दौरान 399.1 मिलियन डॉलर का आउटफ्लो दर्ज किया गया।

खबर संक्षेप

वाणी की पवित्रता बना कर रखनी चाहिए : आचार्य

रोहतक। गायत्री मंत्र को जीवन में उतारो। वाणी की पवित्रता बना कर रखनी चाहिए। झूठ बोलने से वाणी अपवित्र होती है। यह विचार वैदिक भक्ति साधन आश्रम में आयोजित यजुर्वेद ब्रह्म पारायण यज्ञ के तीसरे दिन मथुरा से आये यज्ञ ब्रह्मा आचार्य स्वदेश ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि संसार का वैभव छूटने वाला है। भक्ति की ओर जीवन को मोड़ना चाहिए। इससे पूर्व यजुर्वेद के मंत्रों के साथ आहुति प्रदान की गई। विश्ववारा कन्या गुरुकुल की ब्रह्मचारिणियों ने सस्वर वेद पाठ किया।

एमडीयू में क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल क्रिकेट स्टेडियम में क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। फैकल्टी ऑफ सोशल साइंस के डीन एवं रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सेवा सिंह दहिया ने बतौर मुख्य अतिथि इस क्रिकेट मैच प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रो. सेवा सिंह दहिया ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खेलों की महत्ता और ज्यादा बढ़ जाती है। सभी को तनाव मुक्त रहने के लिए जीवन में एक खेल जरूर खेलना चाहिए एवं खेलों को जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बनाना चाहिए।

सीबीएसई की परीक्षाओं के लिए जिले में बनाए गए हैं 23 सेंटर

शांतिपूर्वक हुई दसवीं की सीबीएसई की परीक्षा, आसान आया पेपर

परीक्षा केंद्र पर मौजूद विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सीबीएसई की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। इसके लिए जिले में 23 सेंटर बनाए गए हैं। शनिवार को दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों का इंग्लिश का पेपर था। बच्चों ने कहा कि पेपर काफी आसान आया। कोई भी प्रश्न पाठ्यमक्रम से बाहर नहीं था। पेपर के बाद जब बच्चे परीक्षा केंद्र से बाहर आए तो सभी के चहरे खिले हुए थे। परीक्षा का समय 10:30 से 1:30 बजे तक था। बच्चे सुबह 9 बजे से अपने अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने शुरू हो गए। बच्चों के अभिभावक भी उनके साथ रहे।

अच्छे से तैयारी की थी

इंग्लिश विषय की अच्छे से तैयारी की थी। सभी प्रश्नों को पहले ध्यान से पढ़ा और उत्तर लिखे। सभी विषयों की अच्छे से तैयारी कर रखी है।

हिमांशी सचदेवा, दसवीं कक्षा की छात्रा

जो पढ़ा वही आया

वैसे तो पूरा पाठ्यक्रम याद किया था, लेकिन जिन प्रश्नों की तैयारी ज्यादा अच्छे से की थी, उनमें से काफी प्रश्न आए।

अंशिका, दसवीं कक्षा की छात्रा

बोली छात्राएं

आसान था पेपर

पेपर काफी आसान था। सभी प्रश्न पाठ्यक्रम में से ही थे। सभी सब्जेक्ट की तैयारी कर ली है। सभी प्रश्न इतने आसान थे कि समय से पहले ही पेपर कर लिया था। अब अगले पेपर की भी अच्छे से तैयारी करनी है और अच्छे अंक लाने हैं।

गौरिका, दसवीं कक्षा की छात्रा

अच्छे से तैयारी करें

सीबीएसई की परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। सभी बच्चों को शुभकामनाएं। बच्चे अच्छे से तैयारी करें।

सिटी कोर्डिनेटर, सीबीएसई, डॉ. अरूणा तनेजा

निकाय चुनाव में भाजपा को विजयश्री मिलना तय : रामअवतार बाल्मिकी

- विकास और सुशासन के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे सतेंद्र परमार
- मेयर सहित पार्षदों के नामों की घोषणा के तुरंत बाद ही रोहतक के जिला प्रभारी सतेंद्र परमार ने रोहतक प्रदेश कार्यालय "मंगल कमल" में कार्यकर्ताओं की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं रोहतक नगर निगम के मेयर पद उम्मीदवार रामअवतार बाल्मीकी ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा को विजयश्री मिलना तय है। उन्होंने कहा कि भाजपा निकाय चुनाव को गंभीरता से ले रही है। बाल्मीकी ने दावा करते हुए कहा कि मेयर व सभी 22 पार्षद भाजपा के ही चुने जाएंगे और हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। शनिवार को भाजपा कार्यालय "मंगलकमल" में रामअवतार बाल्मिकी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस को भी घेरा। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में जनता कांग्रेस को नकार चुकी है और कांग्रेस भी पहले ही हार मान चुकी है। एक सवाल पर रामअवतार बाल्मीकी ने कहा कि हमने सुशासन, समान विकास, पारदर्शिता के अलावा बहुत सारे मुद्दों को लेकर हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाई है। निकाय चुनाव में हम वार्ड व क्षेत्र के मुद्दों को लेकर जनता से वोट मांगेंगे। बाल्मीकी ने कहा कि दिल्ली की जीत का असर निश्चित तौर पर हरियाणा में भी पड़ेगा। भाजपा के कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचे स्तर पर है। हमने लगातार हरियाणा, महाराष्ट्र और अब दिल्ली का चुनाव जीता है। जनता में भी भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। जनता ने निकाय चुनाव में भाजपा को जीताकर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि रविवार सभी 22 पार्षद उम्मीदवारों की बैठक में नोमिनेशन के कार्यक्रम और होने वाली सभाओं को लेकर भी विस्तृत चर्चा होगी। इस मौके पर पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर,जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर ढाका,जिला प्रभारी सतेंद्र परमार,प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, प्रदेश सचिव रेनू डाबला, प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर सिंह खरक, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ दिनेश घिलोड़, पूर्व चैयरमैन प्रतिभा सुमन पूर्व चैयरमैन ओमप्रकाश बागड़ी भी उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं की बैठक

नगर निकाय चुनाव में उम्मीदवारों की सूची जारी होने के बाद कार्यकर्ताओं की बैठक लेने प्रदेश कार्यालय पहुंचे सतेंद्र परमार ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा विकास और सुशासन के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी और मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करेगी। सतेंद्र परमार ने कहा कि चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह है। जनता के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं के परिश्रम से रोहतक नगर निगम के सभी 22 वार्डों में कमल खिलेगा और मेयर भी भाजपा का ही बनेगा। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा का चुनाव बीत गया, विधानसभा सेशन बीत गया, कांग्रेस पार्टी ने अब तक विपक्ष का नेता नहीं चुना गया। सतेंद्र परमार ने कहा कि निकाय चुनाव को लेकर भी कांग्रेस गंभीर दिखाई नहीं दे रही है।

कक्षा सात के विनय रहे प्रथम

रोहतक। शहीद मेजर सज्जन सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी साध में स्टेम मंच 2025 साइंस एग्जीबिशन के उपलक्ष्य में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ । कक्षा 7 के विनय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अस्मिता आठवीं कक्षा की दूसरे स्थान और गरिमा आठवीं और नव्या छठी कक्षा को संयुक्त रूप से तीसरा पुरस्कार दिया गया। अन्य 22 बच्चों को भी पुरस्कार दिए गए। इस साइंस एग्जीबिशन में छठी से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने टीजीटी साइंस अध्यापिका डॉ. पिंकी देशवाल के मार्गदर्शन में 30 से भी अधिक गणित एवं साइंस की एक्टिविटीज को प्रदर्शित किया था । इस मौके पर प्रधानाचार्य सुनीता ने एससीईआरटी हरियाणा के तत्वाधान में सफलतापूर्वक प्रदर्शनी की सरहाना करते हुए बच्चों का मनोबल बढ़ाया। विद्यालय के सभी गणमान्य अध्यापक और अध्यापिकाओं ने बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा की।

सीएम कैंप कार्यालय के धरने में शामिल हुए कर्मचारी, मांगें पूरी करने की डिमांड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शुक्रवार से सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने राज्य प्रधान धर्मवीर फोगाट की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय कुरुक्षेत्र पर दो दिवसीय धरना शुरू किया गया है। जिसमें कुरुक्षेत्र, करनाल, पंचकूला, अम्बाला, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद, पलवल, गुरुग्राम, जींद जिलों के कर्मचारियों ने भाग लिया। 16 फरवरी को कैथल, यमुनानगर, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, दादरी, रोहतक, झज्जर, रेवाड़ी, नूंह, महेन्द्रगढ़ जिलों के कर्मचारी भाग लेंगे। धरने का संचालन महासचिव नरेश कुमार व उप महासचिव सन्दीप सांगवान ने किया। धरने से लौटकर धर्मवीर फोगाट ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा कर दी है। हरियाणा के सन्दर्भ में प्रदेश का अलग वेतन आयोग गठित किया जाना चाहिए। अगला वेतन आयोग आने से पहले पिछले वेतन आयोग की विभिन्न वर्गों की वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग काफी अरसे से लम्बित है, जिसका तुरन्त प्रभाव से समाधान करना अति आवश्यक है। कर्मचारियों के राज्य स्तरीय नेता प्रधान धर्मवीर फोगाट ने बताया कि अगला वेतन आयोग लागू होने तक प्रत्येक कर्मचारी को 5000 रूपए अन्तरिम राहत दी जाए। हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय देश के अन्य राज्यों से अधिक है।

विभागों में भर्ती की जरूरत

संगठन के उप महासचिव सन्दीप सांगवान ने बताया कि विभागों में कर्मचारियों की संख्या बहुत ही कम हो चुकी है। सरकार के खुद के आंकड़े के अनुसार 2.5 लाख पद खाली पड़े हैं। जिन पर तुरन्त प्रभाव से नियम से नियमित भर्तियां करने की जरूरत है। सरकारी विभागों के माध्यम से जन सेवा प्रदान करने के कार्य को मजबूत किया जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, परिवहन, सफाई, राजस्व, कृषि सेवा, पशुपालन, कानून व्यवस्था आदि सेवाओं का विस्तार जनसंख्या के अनुसार करना चाहिए। सभी विभागों में निजीकरण व ठेकाकरण को समाप्त करके सरकारी क्षेत्र में रखकर जरुरत के अनुसार विस्तार किया जाए।

इन्होंने ने किया संबोधित

धरने को राज्य सचिव मांगे राम तिगरा, जयवीर चहल, जगमिन्द्र, आडिटर मुकेश खरब, राज्य कमेटी सदस्य सुरेश राठी, जगमेन्द्र, रोडवेज वर्कर यूनियन के महासचिव सुमेर सिवाच, अध्यापक संघ के राज्य प्रधान प्रभु सिंह, मैकेनिकल 41 से राजेन्द्र सिंह, रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान मास्टर वजीर सिंह आदि ने सम्बोधित किया।

कीचक वध की कहानी का किया सुंदर मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अखिल भारतीय गौशाला पहरावर नंदिनी धाम में सांग के बारहवें दिन विष्णुदत्त शर्मा द्वारा कीचक वध की कहानी को प्रस्तुत किया गया। महाभारत की कथा में पांडव जब अज्ञातवास भोग रहे थे तो सभी पांडव कौरवों से बचने के लिए भेष बदल कर विराटनगर में रहने लगे। जहां पर पांडव और द्रौपदी एक सेवक बनकर समय व्यतीत करने लगे, युधिष्ठिर राजा विराट के मंत्री कनक के रूप में कार्य करने लगते हैं। अर्जुन ब्रिहन्नाला नाम के एक किन्नर के रूप में वहां की राजकुमारी उत्तरा को नृत्य सिखाने लगते हैं, भीम बल्लाव के रूप में

खाना बनाने लगे और नकुल ग्रंथिक के रूप में घुड़सवार और सहदेव तंतिपाल के रूप में चरवाहा का कार्य करने लगते हैं, जबकि द्रोपदी, सैंध्री के रूप में रानी की सेवा करने लगी।

दुर्योधन और शकुनि से कीचत की मुलाकात इसी दौरान शकुनि के साथ दुर्योधन आता है और राजा विराट से मिलता है और कहता है कि उसे ज्ञात हुआ कि पांडव विराट राज्य में शरण लिए हुए हैं, राजा इस बात से इंकार करते हैं लेकिन इन बातों को कीचक सुन लेता है और वह समझ जाता है कि दासी ही द्रोपदी है, कीचक इस बात की जानकारी दुर्योधन को दे देता है।

कीचक वध के सांग मंत्रमुग्ध कर दिया

इस दौरान दयानन्द कौशिक इंद्रगढ़ ने 111111 रूपये,श्री रॉकी भमभैवा ने 111000 रूपये,उमेद सिंह इस्माइला ने 125000 रूपये, बिजेंद्र ब्रह्मचारी ने 111111 रूपये,इसके अलावा और भी दानी सज्जनों ने बढ़ चढ़ कर सहयोग दिया। इस मौके पर हरिओम शर्मा, वासुदेव शर्मा, शिवकुमार शर्मा, जयभगवान शर्मा, रामप्रकाश शर्मा, चंद्रभान अत्री, शिवचरण, रमेश, बिजेंद्र ब्रह्मचारी, राजू, समुद्र किलोई, प्रहलाद पहरावर, कृष्ण ईस्माइला आदि मौजूद रहे।

रोहतक। वाद विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी। *फोटो : हरिभूमि*

सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज में हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज (सीपीएएस), गुरुग्राम में- क्या कार्यपालिका को न्यायिक नियुक्तियों में हस्तक्षेप करना चाहिए? विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस बौद्धिक प्रतिस्पर्धा में 40 टीमों ने भाग लिया। सीपीएएस निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने इस प्रतियोगिता की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने प्रेरणादायक भाषण में इस प्रकार की चर्चाओं के महत्व को रेखांकित किया और केंद्र में भविष्य का शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों का रोडमैप प्रस्तुत किया।

छात्रों ने देखी भारतीय संसद

रोहतक. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के छात्रों ने एक शैक्षिक भ्रमण पर भारतीय संसद, राष्ट्रपति संग्रहालय और सूरजकुंड मेले का दौरा किया। भ्रमण प्रभारी डॉ. राजेश कुंडू ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को संसद सत्र की व्यावहारिक कार्यवाही से परिचित कराना और जागरूकता बढ़ाना था। इसके अलावा, राष्ट्रपति संग्रहालय और सूरजकुंड मेले के माध्यम से छात्रों ने राष्ट्रपतियों के योगदान और उनके जीवन के बारे में जाना, साथ ही भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हस्तशिल्प कौशल के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस भ्रमण से लोक प्रशासन विभाग के छात्रों और शोधार्थियों के ज्ञान और अंतर्दृष्टि में वृद्धि हुई। विभागाध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने शैक्षिक भ्रमण के सफल आयोजन और सहयोग के लिए भ्रमण प्रभारी डॉ. राजेश कुंडू और छात्रों का आभार व्यक्त किया।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

डीसी धीरेंद्र खड़गटा के आदेश पर रेडक्रॉस ने बुजुर्ग को चश्मा उपलब्ध करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मुख्यमंत्री नायब सिंह के आदेशानुसार लगाए जा रहे समाधान शिविर जरूरतमंद लोगों के लिए कारगर साबित हो रहे हैं। जिला मुख्यालय पर समाधान शिविर में जहां एक तरफ नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है वहीं जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा के आदेश अनुसार गांव लाखन माजरा निवासी बुजुर्ग ओमप्रकाश को चश्मा उपलब्ध करवाया गया और एक महिला को राशन सामग्री उपलब्ध करवाई गई।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नागरिकों की समस्याएं सुनी जा रही हैं और उनका समाधान किया जा रहा है। ये समाधान शिविर नागरिकों के लिए बड़े ही राहत भरे साबित हो रहे हैं। शुक्रवार को आयोजित समाधान शिविर में गांव लाखन माजरा से पहुंचे बुजुर्ग ओम प्रकाश ने उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा को बताया कि उन्हें आंखों से बहुत ही कम दिखाई देता है।

रोहतक। विजेताओं का सम्मान करते अतिथि।

100 मीटर रेस में प्रियंका प्रथम मिला बेस्ट एथलीट का आवार्ड

रोहतक। राजकीय महिला महाविद्यालय लाखन माजरा में दो दिवसीय 15वीं एनुअल एथलेटिक मीट का शुभारंभ प्राचार्य इंदू सपरा के नेतृत्व में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय रोहतक की प्राचार्य डॉ. दर्शना ने कार्यक्रम में शिरकत की। एनुअल एथलेटिक मीट के दूसरे दिन छात्राओं तथा स्टाफ सदस्यों के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। इस दौरान 100 मीटर रेस में प्रियंका (बीए तृतीय वर्ष) प्रथम, प्रिया (बीए तृतीय वर्ष) द्वितीय व सोनिया ने (बीए प्रथम वर्ष) तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं 200 मीटर रेस में बीए तृतीय वर्ष से प्रियंका ने पहला, प्रिया ने दूसरा, रितु ने तीसरा, मटकी रेस में साक्षी ने पहला, निशु ने दूसरा, अंजलि ने तीसरा, थ्री लेग रेस में प्रियंका व प्रिया पहले स्थान पर, अंजली व अंजलि दूसरे स्थान पर तथा मुस्कान व प्रीति तीसरे स्थान पर रही।

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE
Dr. Kawatra TRUST BUILDER'S
निःसंतान दम्पतियों
को शादी के सालों साल बाद जब हमारे ईलाज से उन दम्पतियों को संतान सुख प्राप्त हुआ, उन लाभार्थ दम्पतियों के नाम व पते हमारे पास सुरक्षित हैं।
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

श्री गणेशाय नमः
श्री बालाजी ज्योतिष केन्द्र
म.नं. 232, सैक्टर 14, हिसार
मो. 8571024131, 8708655938
प्यार मोहब्बत, किया/कराया, जादु-टोना, गुप्त दुश्मन, सौतन, नजर दोष, विदेश यात्रा, सास बहु/पति पत्नी में अनबन कारोबार में बरकत ना होना, पशुधन बर्बाद होना, धन की बर्बादी, पढाई में मन न लगना, विवाह में देरी, नौकरी में प्रमोशन
समस्या कैसी भी हो, जड़ से होगी खत्म जब कभी भी ना बना हो काम तो होगा गारन्टिड समाधान
पं. तुषार शर्मा
गोल्ड मेडलिस्ट
हर रोज मिलें सुबह 10 बजे से सायं 6 बजे तक

SHEETAL SPORTS SEC. SR. SCHOOL, KILOI, ROHTAK
CBSE Affiliated English Medium School
REQUIRES
• PGT- History, Geography, Maths, Hindi
• TGT- Hindi, S.St. Maths
• Computer Teacher - 01
• PRT Teachers: All Subjects
• PTI (Female) - 01 • Mother Teachers
• Drivers • Office Clerk
• Teachers having Fluency in English walk in Interview on any working days from 9:00 AM to 12:00 PM with their original Documents.
• Transport facility from Rohtak to School.
Phone: 9813911200, 9053111400
Email: sheetalsportsschool@gmail.com

VIKALP PUBLIC HIGH SCHOOL
CBSE AFF. NO 530760
Jasbir Colony, Rohtak
URGENTLY REQUIRED

Post	Mini. Salary
+ NTT	20k
+ Mother Teacher	20k
+ PRT- Eng., S.St	20k
+ TGT- Sci., S.St., Eng.	25k
+ PGT- Geo., Pol. Sci., History, Physics	30k
+ Others- Nurse, Special Educator	20k
+ Primary Incharge	30k

• Qualification as per CBSE Norms.
• Candidates must have atleast 3yrs experience of relevant post.
• Fluency in English is must.
WALK IN INTERVIEW
Sunday 23rd Feb 2025
between 10am to 1pm
Kindly come with original documents, a set of Photocopies, your recent resume with Latest Photograph.
M. 9896564000
vikalppublicschool@gmail.com

कॅरियर कार्निवल संपन्न, प्रतिष्ठित कंपनियों में 500 विद्यार्थी चयनित

- 20 प्रतिष्ठित कंपनियों ने इस रोजगार मेला में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में कॅरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा कॅरियर कार्निवल 2025 शनिवार को संपन्न हो गया। एनआईआईटी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय कॅरियर कार्निवल में 500 से अधिक विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है। सीसीपीसी निदेशिका प्रो. दिव्या मल्हान ने बताया कि इस दो दिवसीय कार्निवल में 2000 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था। 20 प्रतिष्ठित कंपनियों ने इस रोजगार मेला में भाग लिया। लगभग 1000 विद्यार्थियों ने चयन प्रक्रिया में शिरकत की। प्रो. दिव्या मल्हान ने बताया कि 514 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न कंपनियों में हुआ है। इन कपंनियों में टेक महिन्द्रा, जेनपैक्ट, मुथूट फाइनेंस, स्विगी, ओक्यूब, पुखराज, होजेंट, क्यूस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीबी फाइनेंसियल सर्विसेज, आईएनर्जीजर, टीम लिज, एक्स विंडोर, भारती ग्रुप मिनिसो, जीआई ग्रुप, सोलर एक्स एनर्जी, डिजी कामर्स आदि शामिल हैं।एमडीयू वाइस चांसलर प्रो. राजबीर सिंह ने सीसीपीसी निदेशिका प्रो. दिव्या मल्हान और उनकी टीम को इस शानदार आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी है। डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एएस मान तथा रजिस्ट्रार डॉ. कृष्ण कांत ने टीम सीसीपीसी तथा चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी है। एनआईआईटी फाउंडेशन की ओर से कमल बब्बर तथा इंदु ने शिरकत की। डीन फैकल्टी ऑफ मैनजमेंट साइंस एण्ड कामर्स प्रो. ऋषि चौधरी, इमसॉर निदेशक प्रो. सत्यवान बरोदा व इमसॉर फैकल्टी, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने आयोजन सहयोग दिया। सीसीपीसी उप निदेशक डॉ. अमन वशिष्ठ, डॉ.सौरभकांत, डॉ. सुखविन्द्र सिंह देवड़ा, डॉ. मीनाक्षी हुड्डा व डॉ. अरूण हुड्डा इस इस आयोजन संबंधित दायित्व का निर्वहन किया।

1,700 दिनों में 17,266 किलोमीटर की दौड़ लगा चुके हैं अरविंद पाल दहिया

रोहतक। बीएसएनएल के सहायक महाप्रबंधक एवं रोहतक रनर्स ग्रुप के धावक अरविंद पाल दहिया ने शुक्रवार को छोटू राम स्टेडियम में 10 किलोमीटर दौड़ लगाकर लगातार दौड़ने के 1700 दिन पूरे किए। दहिया ने लगातार दौड़ने की शुरुआत 20 जून 2020 से की थी और अभी तक वह लगातार प्रतिदिन बिना किसी अवकाश के दौड़ लगा रहे हैं। इन 1700 दिनों में उन्होंने कुल 17266 किलोमीटर की दौड़ लगाई। उनकी प्रतिदिन औसत दौड़ 10 किलोमीटर से ज्यादा है। उन्होंने इस दौरान एक अल्ट्रामैरॉथन (50 किलोमीटर), 13 फुल मैराथन (42.2 किलोमीटर) और 219 हाफ मैराथन (21.1 किलोमीटर) लगाई। सबसे कम 3 किलोमीटर की और अधिकतम 50 किलोमीटर प्रतिदिन की दौड़ लगाई। इस दौरान उन्होंने 5277 किलोमीटर साइक्लिंग और 3390 किलोमीटर वाकिंग भी की।

खबर संक्षेप

50 लोगों ने बटोरा रक्त दान का पुण्य

रोहतक। पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारत विकास परिषद, यूथ रेडक्रॉस व नेशनल कैडेट कोर पंडित नेकीराम शर्मा महाविद्यालय ने मिलकर किया। समाजसेवी एवं उद्योगपति नवीन जैन मुख्य अतिथि रहे। महाविद्यालय प्राचार्य ने विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। शिविर में 50 लोगों ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. प्रवीण गोयल, डॉ. संदीप, डॉ. राजेश दलाल आदि उपस्थित रहे।

निबंध लेखन में श्वेता प्रथम और नीता द्वितीय

रोहतक। वैश्य महिला महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. रश्मि गुप्ता ने आयोजन का शुभारंभ किया और कहा कि हमें अपनी संस्कृति और संस्कार को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व को भी बताया। निबंध लेखन प्रतियोगिता के विषय युवाओं का राष्ट्र निर्माण में योगदान, पारिवारिक मूल्यों का महत्व, महाकुंभ भारतीय संस्कृति का अद्वितीय उत्सव, पुस्तक मेलाः शिक्षा और संस्कार का मंच व वैश्वीकरण के दौर में हिंदी का महत्व आदि रहे। प्राचार्या ने विजेताओं को नकद राशि देकर सम्मानित किया। प्रथम स्थान श्वेता, द्वितीय स्थान नीता और तृतीय स्थान दीक्षा ने प्राप्त किया किया। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. अनु, डॉ. अनु मलिक, डॉ. शकुंतला ने निभाई। इस अवसर पर डॉ. शकुंतला, डॉ. निशा, प्रिया सहित अन्य मौजूद रहे।

चिन्हित अवैध कॉलोनियों में नागरिक न करें खरीद : उपायुक्त

नगर योजनाकार ने चिन्हित की 86 अवैध कॉलोनियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

धीरेंद्र खड़गटा (उपायुक्त)

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने नागरिकों का आह्वान किया है कि वे जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित की गई अवैध कॉलोनियों में खरीद-फरोख्त न करें। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित कॉलोनियों में नियमानुसार विभागीय कार्यवाही(तोडफोड़ की कार्यवाही व एफ आईआर दर्ज करवाने) की जा रही है एवं भविष्य में भी उपरोक्त के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। यह चिन्हित कालोनियों नियमितिकरण पॉलिसी के अन्तर्गत नहीं आती हैं। जिला नगर योजनाकार की तरफ से 86 कॉलोनियों की लिस्ट जारी की गई है।

जिला नगर योजनाकार सुमनदीप ने आम जन से अपील की है कि वे अपनी जीवन की जमा पूंजी अवैध निर्माणों में या डीलर, भू-मालिकों द्वारा काटी जा रही अवैध कालोनियों में निवेश न करें और ना ही कोई अवैध निर्माण करें अन्यथा अवैध निर्माणकर्ता स्वयं जिम्मेदार होगा क्योंकि अवैध कालोनियों पर विभागीय कार्यवाही (तोड़-फोड़) समय-समय पर प्रशासन द्वारा अमल में लाई जाती रहेगी। इसलिए अपने खून पसीने की जमा पूंजी को डीलर, भूमाफिया के झूठे बहकावे में आकर व्यर्थ न गवाएं एवं कोई भी खरीद फरोख्त करने से पूर्व उनके कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में आकर पूछताछ कर सकते हैं तथा उपरोक्त अवैध कालोनियों की सूची स्थानीय तहसील कार्यालय एवं लघु सचिवालय में भी लगा दी गई है।

जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा द्वारा जारी आदेश के तहत पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्यूटी मजिस्ट्रेट के साथ महिला पुलिस सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा तथा पुलिस बल के प्रभारी निरंतर ड्यूटी मजिस्ट्रेट के संपर्क में रहेंगे। ड्यूटी मजिस्ट्रेट भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 द्वारा प्रदत्त कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियों का प्रयोग करेंगे। संबंधित विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित भूमि पर किसी भी न्यायालय का स्टे अथवा स्टेटस-को का आदेश पारित न हो तथा संबंधित कार्य नियमानुसार हो।

ये कॉलोनी हैं लिस्ट में शामिल

इनमें रोहतक सहित गांव भय्यापुर, सुनारियां, कन्हेली, समरगोपालपुर, बालंद, सराय अहदम, सुंदरपुर, टिटौली, मायना, जिंदराण, कुताना, भालौठ, पहरावर, मकड़ौली खुर्द, बोहर, गढी बोहर के कई एरिया शामिल हैं। जिसका एरिया अवैध है।

ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए

रोहतक। जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के सैक्टर 6 की 45 मीटर चौड़ी सड़क से अनाधिकृत कब्जे हटाने के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की सब डिविजन 1 के एसडीई सुमेर सिंह को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं।

योग अभ्यास से हमारी सकारात्मक ऊर्जा होती जागृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के दूसरे दिन का शुभारंभ एनएसएस गीत के साथ हुआ। इसके बाद अध्यापिका कृष्णा गिल के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्राणायाम किया। साथ ही ताड़ासन, त्रिकोणासन, वृक्षासन आदि आसनों का अभ्यास किया। सभी छात्रों को मेडिटेशन करवाया गया और छात्रों को इसे नियमित दिनचर्या में शामिल करने का सुझाव दिया गया। योग अभ्यास से हमारी सकारात्मक ऊर्जा जागृति होती। आईएमटी स्थित सुमित सर्जिकल इंडस्ट्री के भ्रमण के दौरान सीईओ एसबी नैन के मार्गदर्शन में छात्रों को चिकित्सा के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले मेडिकल उपकरणों के निर्माण की विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रधानाचार्य डॉ. ममता मलिक ने कहा कि सभी बच्चे प्रतिभाशाली होते हैं जरूरत इस बात की रहती है कि उनकी प्रतिभा को पहचान कर उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। इस अवसर पर विद्यालय उप प्रधानाचार्या मशेंका, कृष्णा, रुचि, सुमित, संदीप राठी और एनएसएस के सभी स्वयं सेवक मौजूद रहे।

एनएसएस शिविर का हुआ शुभारंभ

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टिटौली में स्कूल प्राचार्य सरोज नारा व प्रोग्राम ऑफ्रिसर सुनीता चुग की अध्यक्षता में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का शुभारंभ हुआ, यह कैंप 21 फरवरी तक चलेगा। कैंप के प्रथम दिन वालेंटियर ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। साथ ही स्कूल प्रांगण के आस-पास की सफ़ाई की गई। इस अवसर पर सुशीला कुंडू, सीमा, कृष्णा, अनिल, कुलबीर आदि मौजूद रहे।

एसवीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग में फ्रेशर पार्टी व शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

रोहतक। एसवीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शनिवार को फ्रेशर पार्टी व शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने हरियाणवी नृत्य, बॉलीवुड डांस, फनी एक्ट्स, रैंप वॉक आदि से समां बांध दिया। कॉलेज डायरेक्टर श्रीपाल ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। मिस्टर फ्रेशर जतिन व मिस फ्रेशर का खिताब ईशा को मिला। इस अवसर पर सीएमओ डॉ. रमेश चंद्र, डॉ. केएल मलिक सहित अन्य मौजूद रहे।

विश्व बाल कैंसर दिवस पर लोगों को जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विश्व बाल कैंसर दिवस प्रत्येक वर्ष 15 फरवरी को मनाया जाता है। यह दिवस बचपन के कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और कैंसर से पीड़ित बच्चों और किशोरों, इससे ठीक हो चुके लोगों और उनके परिवारों के लिए समर्थन व्यक्त करने के लिए एक वैश्विक सहयोगात्मक अभियान है। इसका मुख्य उद्देश्य बाल कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसके इलाज के प्रति सजगता लाना है। यह कहना है पीजीआई की शिशु रोग विभाग की डॉ अलका यादव का। वे शनिवार को चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी में अपनी टीम के साथ आमजन को जागरूक करके विश्व बाल कैंसर दिवस मना रही थी।

डॉ अलका यादव ने बताया कि यह दिवस कैंसर से पीड़ित बच्चों और उनके परिवारों के लिए समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए भी मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि आज पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के शिशु रोग विभाग ने शनिवार को चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी में विश्व बाल कैंसर दिवस मनाया। इस अवसर पर उनकी टीम ने आमजन को कैंसर के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का लक्ष्य है कि बच्चों के कैंसर के इलाज में और अधिक सुचारू तथा हर बच्चे को उपचार का समान अवसर प्रदान करने का है। डॉ अल्का ने बताया कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि इलाज में मदद के लिए हमेशा सामूहिक रूप से प्रयास कर रहे होंगे सफलता तभी मुमकिन है जब समय पर निदान किया जाए ,उपयुक्त उपचार प्रदान किया जाए, बच्चों और उनके परिवारों को समर्थन दिया जाए।

हर साल 4 लाख बच्चे आ रहे कैंसर की चपेट में

डॉ अलका यादव ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस 2025 तक यह उम्मीद की जा रही है कि दुनिया भर के बच्चों को बेहतर उपचार और देखभाल प्राप्त हो। वैश्विक स्तर पर और भी कई संगठन इस दिन को बच्चों के कैंसर के इलाज के बारे में नई खोजों और उपलब्धियां को साझा करने के रूप में मनाते हैं। डॉ अल्का ने बताया कि एक रिसर्च में सामने आया कि हर साल करीब 4 लाख बच्चे कैंसर की चपेट में आ रहे हैं। अधिकतर देशों में कैंसर से सर्वाइवल रेट करीब 80% है।

बाल कैंसर गंभीर बीमारी

डॉक्टर अलका यादव ने बताया कि बाल कैंसर एक गंभीर बीमारी है, लेकिन यदि समय पर इसका पता लगाया जाए और उचित उपचार किया जाए, तो इसे ठीक किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि बचपन के कैंसर के लक्षणों में बार-बार बुखार, थकान, वजन कम होना, पेट में दर्द, और अन्य असामान्य लक्षण शामिल हो सकते हैं। डॉ एनडी वासवानी ने बताया कि इस वर्ष की थीम आईसीसीडी 2025 रखी गई है।

परीक्षा में अच्छे अंक लाने का दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विकल्प पब्लिक स्कूल जसबीर कॉलोनी में शनिवार को कक्षा दसवी के विद्यार्थियों को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाओं सहित रवाना किया गया। 15 फरवरी से सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं। इसी के तहत स्कूल प्रबंधन से प्रधानाचार्या किरन पाहवा, कोर्डिनेटर मंजु सहित अध्यापिका सविता व श्वेता ने तिलक लगाकर बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की व उन्हें परीक्षा में अच्छे अंक लाने का आशीर्वाद भी दिया।

छात्राओं का स्वास्थ्य जांचा

रोहतक। शहीद कैप्टन दीपक शर्मा पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसके तहत छात्राओं के दांत, आंख, हाइट, वेट, हीमोग्लोबिन, कान, नाक आदि की जांच की गई। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम ने स्कूल में छात्राओं की जांच की। इस दौरान 6 से 12 तक सभी कक्षाओं के बच्चों का चेकअप किया गया। इस कैंप में जन्मजात बीमारियों, हृदय, पोषण की कमी, विकासात्मक देरी के बच्चों की स्क्रीनिंग की जाती है। यह हेल्थ कैंप 18 फरवरी तक चलेगा। इस अवसर पर स्कूल प्रिन्सिपल मीता, डॉ. संगीता मलिक, सुनील आदि उपस्थित रहे।

मन लगाकर पढ़ाई करें : डॉ. अनीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महारानी किशोरी कन्या महाविद्यालय की यूनिवर्सिटी आउटरीच यूनिट एवं यूथ रेडक्रॉस यूनिट द्वारा गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल खेड़ी साध में हेल्थ एवं हाइजीन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. अनीता गुलिया ने सभी विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने एवं अपने आसपास स्वच्छता पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति ही एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने एवं अच्छे संस्कार अपने अंदर विकसित करने की लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आज हमें डिग्री के साथ-साथ एक स्किल अपने अंदर उत्पन्न करने की जरूरत है। प्राचार्य सुनीता खासा ने सभी विद्यार्थियों को एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हमें कोई भी कार्य करने से पहले एक विचार कर लेना चाहिए कि यह हमारे समाज पर किस प्रकार का प्रभाव डालेगा। इस अवसर पर डॉ. दीपिका यूथ रेडक्रॉस कोऑर्डिनेटर सहित अन्य उपस्थित रहे।

हार्दिक ने नेशनल बॉक्सिंग में हासिल किया दूसरा स्थान, मेडल पहनाकर किया सम्मानित

रोहतक। लखनऊ में आयोजित थर्ड नेशनल लेवल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में श्री बाबा मस्तनाथ रेजिडेंशियल सैनिक स्कूल के तीसरी कक्षा के विद्यार्थी हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां विद्यालय के निदेशक कृष्ण मलिक तथा प्राचार्य सुरेंद्र सिंह ने हार्दिक को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर विद्यालय के शिक्षक भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के विकास में निभाती महत्वपूर्ण भूमिका : गुड्डू

राजकीय सर छोटू राम कन्या महाविद्यालय में नवरंग सांस्कृतिक वार्षिक समारोह आयोजित

समारोह में छात्राओं ने बिखेरी हरियाणवी संस्कृति, कला के महत्व को किया उजागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

राजकीय सर छोटू राम कन्या महाविद्यालय में शनिवार को नवरंग सांस्कृतिक वार्षिक समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ संतोष हुड्डा ने की। समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणवीं लोक कलाकार पद्मश्री महावीर गुड्डू रहे। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में केवल उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ाती है बल्कि उन्हें समाज और संस्कृति से जोड़ने का एक बेहतरीन अवसर भी प्रदान करती है। उन्होंने छात्रों से कहां की वे अपनी संस्कृति के साथ शिक्षा पर पूरा जोर लगाए। सामाजिक बुराइयों से बच्चे आप जो मुकान चाहती हैं वह हासिल कर सकती है। उन्होंने अपनी संस्कृति से जुड़ी बम लहरी सहित अन्य भजन पेश कर छात्राओं का खुब मनोरंजन कराया। विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में हरियाणवी, पंजाबी, राजस्थानी सहित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी रचनात्मकता और जोश से सांस्कृतिक विरासत को जीवित किया और कला के महत्व को उजागर किया। उन्होंने सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का संदेश दिया। हरियाणावी एकल नृत्य में अर्चना प्रथम पूजा दूसरे पायल तीसरे स्थान पर बालीवुड एकल नृत्य में मनीषा प्रथम स्नेहा दूसरे खुशबू तीसरे, पंजाबी एकल नृत्य में कीर्ति प्रथम,तनू दूसरे साक्षी तीसरे, हरियाणवी ग्रुप डांस में खूशबू की टीम प्रथम रही। मंच संचालन डॉ ममता व डॉ रीतू ने किया। प्रोग्राम प्रभारी डॉ सविता हुड्डा ने प्रोग्राम में शामिल सभी का आभार व्यक्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका दीपक मलिक डॉ सुमन, साहिब सिंह ने निभाई।

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

{ कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम }

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

{ सजेशन
रजनी अरोड़ा }

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइमः जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यानः डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देनाः संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावाः जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारीः एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

{ गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

{ कहानी
शुभदा मिश्र }

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिकाः निकट-40 (कहानी विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

हर साल की तरह इस साल भी ताज नगरी आगरा में होने वाले भव्य ताज महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 18 फरवरी से 2 मार्च तक चलने वाला यह सांस्कृतिक महोत्सव, इस आयोजन का 34वां संस्करण होगा। इस भव्य आयोजन की महत्ता और इस बार की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति की छटा बिखेरता भव्य ताज महोत्सव

ताज महोत्सव न केवल आगरा या उत्तर प्रदेश बल्कि समूची भारतीय संस्कृति की विविधता को संजोता है और विश्व पटल के सामने इसे प्रस्तुत करता है। इसलिए यह भले ताज महोत्सव के नाम से जाना जाता हो, लेकिन यह वास्तव में समूची भारतीय संस्कृति का विराट महोत्सव होता है। इसमें देश भर के लोक कलाकार और संगीत मर्मज्ञों के साथ हर तरह के कला रसिक आते हैं। इस कारण ताज महोत्सव हाल के दशकों में देश की संस्कृति को सहेजने, संवारने और दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक ताज महोत्सव के दौरान यहां पर्यटन के लिए आना पसंद करते हैं। इस साल आयोजित होने वाले ताज महोत्सव की थीम है-धरोहर। जैसा कि थीम से जाहिर है, ताज महोत्सव में इस बार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

दशकों से हो रहा आयोजन

गौरतलब है कि ताज महोत्सव की शुरुआत 1992 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा की गई थी और इसका उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति की विश्व स्तर पर छटा बिखेरने के साथ-साथ ताजमहल देखने आने के लिए देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना था। इतने वर्षों के बाद कहा जा सकता है कि यह महोत्सव आयोजन के अपने उद्देश्यों में सफल साबित हुआ है।

उत्कृष्ट हस्तशिल्प की प्रदर्शनी

ताज महोत्सव देश का विरल सांस्कृतिक महोत्सव है। इसकी कुछ विशिष्ट खासियतें हैं। आगरा में निर्मित कला और शिल्प ग्राम में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी उनमें से एक है। यहां भारत के कोने-कोने से शिल्पकार अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन करने आते हैं। सहारनपुर की लकड़ी के खिलौने और विभिन्न तरह की नक्काशी की हुई वस्तुएं, खुर्जा के मिट्टी के बर्तन, लखनऊ की चिकनकारी और वाराणसी की रेशम की साड़ियां करीब-करीब हर बार इस महोत्सव के मुख्य आकर्षण की वस्तुएं होती हैं।

जुटते हैं लोक कलाकार-संगीतज्ञ

ताज महोत्सव में देश भर के लोक कलाकार और शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। इससे महोत्सव की शोभा और भी बढ़ती है। इसे देखने का आनंद लेने के लिए देश-दुनिया से बड़ी संख्या में कला और संगीत के कद्रदान यहां आते हैं। ताज महोत्सव वास्तव में भारत की विविध संस्कृतियों का अद्भुत संगम है।

पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद

कला और संगीत के साथ-साथ ताज महोत्सव, अपने लजीज व्यंजनों के प्रदर्शन के लिए भी जाना जाता है। इस महोत्सव में करीब-करीब सभी राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां महोत्सव में आए आगंतुक तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेकर आनंदित होते हैं।

इस बार होगा काफी कुछ नया

इस बार का ताज महोत्सव कई नए कार्यक्रमों के साथ होगा, जो इसे पिछले वर्षों के मुकाबले और अधिक रोमांचक और दर्शनीय बनाएंगे। इस महोत्सव में पहली बार इस साल बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। हॉट एयर बैलून शो भी इस महोत्सव का हिस्सा होगा। इसके अलावा ड्रोन शो, विंटेज कार रैली और पतंग महोत्सव का आयोजन भी इस बार इस महोत्सव में चार चांद लगाएंगे। पिछले कई सालों से इस महोत्सव में एक साहित्य कोना की भी जरूरत महसूस की जा रही थी। इस साल इस महोत्सव में साहित्य प्रेमियों के लिए भी विशेष कार्यक्रम होंगे। इस महोत्सव का एक बड़ा आकर्षण बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी होंगे, जो ओपेन स्पेस मंच पर अपनी सुरीली प्रस्तुति देंगे। सदर बाजार ओपेन स्पेस मंच, यमुना व्यू प्वाइंट, ताज व्यू गार्डन और आई लव सेल्फी प्वाइंट जैसे स्थानों पर भी इस बार महोत्सव के विभिन्न आयोजन संपन्न होंगे। हाल के सालों को देखें तो इस साल का ताज महोत्सव पहले से कहीं ज्यादा भव्य और कहीं ज्यादा विराट आयोजन होगा।

बड़ी संख्या में आते हैं पर्यटक

हाल के सालों में ताज महोत्सव के दौरान यहां पूरे साल में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। सच बात तो यह है कि पर्यटकों की भारी आवक को देखते हुए ही इस जश्न को अब पूरे 10 दिन मनाते हैं। पहले यह 10 दिनों तक चलने वाला महोत्सव नहीं होता था। लेकिन इसकी मांग जिस तरह से देशी-विदेशी पर्यटकों के बीच बढ़ी है, उस कारण यह महोत्सव देश की समृद्ध संस्कृति का पर्याय तो बन ही गया है, आगरा शहर की अर्थव्यवस्था का बड़ा स्रोत भी बनकर उभरा है। माना जाता है कि ताज महोत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों से आगरा शहर की आय में भारी वृद्धि होती है। *

तैयार है आयोजन स्थल

हर साल इस महोत्सव के लिए कई महीनों पहले ही भाग लेने वाले कलाकारों का चयन कर लिया जाता है और वे महोत्सव शुरू होने के पहले ही आयोजन स्थल शिल्पग्राम में पहुंचने लगते हैं। इस बार के ताज महोत्सव का आयोजन शिल्पग्राम के साथ-साथ ताज खेमा, ग्यारह सीढ़ी पार्क और फतेहपुर सीकरी सहित कई जगहों पर आयोजित होगा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी के मुताबिक आयोजन की सारी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। महोत्सव के दौरान हर तरह की सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था इंतजाम में किए जा चुके हैं।

चाहे आप किसी भी सेक्टर/कंपनी में जॉब करते हों, प्रमोशन और इंक्रीमेंट के लिए हार्ड वर्क के साथ-साथ और भी कई बातें मायने रखती हैं। कौन-सी हैं वो बातें, आप जरूर जानना चाहेंगे।

हार्ड वर्क + स्मार्ट स्ट्रेटजी

ईजिली मिलेगा प्रमोशन

सेल्फ इंप्रूवमेंट

शिखर चंद जैन

अमित ने अपने कुलीग मुकुंद से जब निराश होकर कहा, 'यार, काम तो हम भी कम नहीं करते। बॉस के दिए हुए सारे प्रोजेक्ट्स टाइम पर पूरे कर देते हैं। फिर भी हम 3 साल से एक ही जगह अटके हुए हैं और यह जतिन हमेशा बाजी मार लेता है। 3 साल में उसे दो बार प्रमोशन मिल गया है। हमारी एक बार भी सैलरी नहीं बढ़ी, जबकि उसकी सैलरी दो बार बढ़ाई गई है।' इस पर मुकुंद ने कहा, 'यार तू समझता नहीं, जतिन काम करने के साथ-साथ उसका बखान भी खूब कर लेता है। यही उसका प्लस प्वाइंट है। जबकि तू चुपचाप काम करके निकल लेता है।'

मुकुंद की बात ध्यान देने वाली है। कॉर्पोरेट सेक्टर की जॉब में प्रमोशन, हार्ड वर्क के साथ-साथ खुद की अच्छी ब्रांडिंग और सही स्ट्रेटजी से मिलती है।

अपने वर्क को हाईलाइट करें: माना कि आप एक मेहनती एंप्लॉई हैं और मन लगाकर काम करते हैं। आप अपने बॉस द्वारा दिए गए कामों और जिम्मेदारियों को बखूबी अंजाम देते हैं। लेकिन इन सबके साथ सबसे जरूरी यह है कि आप जो कर रहे हैं, उसे आपका बॉस कैसे और कितना देख पा रहा है। बॉस को लगना चाहिए कि आप पूरी लगन और निष्ठा से ऑफिस का काम कर रहे हैं। आपको अपने काम का डॉक्यूमेंटेशन करना चाहिए और इसे शेयर भी करना चाहिए। टीम में हर किसी को लगना चाहिए कि आप कंपनी/संस्थान और अपने काम के प्रति समर्पित हैं।

खुद को विश्वसनीय बनाएं: प्रमोशन के लिए मेहनत के साथ लाइमलाइट में बने रहने और खुद को विश्वसनीय साबित करने की कला भी जरूरी है। जो लोग लगातार अपने एंप्लॉयर या बॉस की नजर में बने रहते हैं, उनके द्वारा जताई गई किसी भी चिंता या कंपनी की किसी भी समस्या में खुद आगे बढ़कर काम करने का साहस रखते हैं, उनके प्रमोशन की संभावना बहुत ज्यादा होती है। आपको अपने मैनेजर, एंप्लॉयर या प्रभावशाली अधिकारी के साथ बराबर टच में रहना चाहिए। उन्हें बताएं कि कैसे कंपनी से आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और कंपनी की तरक्की आपकी भी जिम्मेदारी बनती है। यकीन मानिए, इन बातों का जादुई असर होगा।

अपना फ्यूचर विजन शेयर करें: याद रखें किसी भी कंपनी का मालिक या मैनेजर हमेशा अपनी कंपनी को आने वाले समय के ट्रेंड, डिमांड और चुनौतियों के लिए अपडेटेड रखना चाहता है। आपको यह फ्यूचर फोकस्ड साइकोलॉजी समझनी होगी। अगर आप अपने टीम लीडर्स को यह जताने और बताने में कामयाब रहेंगे कि आप एक अपडेटेड एंप्लॉई हैं। लगातार फ्यूचर ट्रेंड, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग स्ट्रेटजी सीखते, समझते रहते हैं तो आप उनकी फेवरेट लिस्ट में रहेंगे। इसके लिए आपको इनकी जानकारी रखनी होगी और उनके साथ डिसकस और शेयर करते रहना होगा। इसका फायदा यह होगा कि वे भले ही आपकी सभी बातें न मानें लेकिन आपके प्रति उनके मन में भरोसा रहेगा और वह आपको प्रमोट करते रहेंगे।

स्पॉटलाइट में बने रहें: ह्यूमन साइकोलॉजी के स्पॉटलाइट इफेक्ट को समझें। इसके तहत आपको न सिर्फ अपनी टीम बल्कि पूरे ऑफिस के कुलीग्स के बीच एक ऐसे व्यक्ति की इमेज बनानी होगी, जो मिलनसार, विनम्र और मददगार स्वभाव का है। साथ ही खुद को एक स्मार्ट टेक सेवी, मेहनती और दूरदर्शी व्यक्ति, एक प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में प्रोजेक्ट करें। इससे कोई आपका समर्थन करे या ना करे लेकिन कोई विरोध नहीं करेगा। आप हमेशा लोगों की नजर में रहेंगे और स्पॉटलाइट में रहेंगे। यह स्ट्रेटजी आपके प्रमोशन में मददगार साबित होगी।

एक्सट्रोवर्ट होना जरूरी: जब आप इंट्रोवर्ट होते हैं, तो आपके बॉस के मन में आपको लेकर क्लेरिटी नहीं रहती है। आप चाहे जितने भी मेहनती क्यों न हों, उनकी नजर और उनके मन से आपका नाम हट जाता है। सुबह से शाम तक अपने ही केबिन में या अपनी चेयर पर न बैठे रहें। ऑफिस में आपको एक्टिव और विजिबल रहना चाहिए और दिन में एकाध बार बॉस या टीम मैनेजर से मिलना चाहिए। आपका स्मार्ट होना और दिखना दोनों जरूरी है। *

न्यू ट्रेंड

संध्या सिंह

आज घर के भीतर से लेकर बाहर हर कहीं बड़ी संख्या में टीनएजर्स और यंगस्टर्स हेडफोंस या ईयरबड्स लगाए देखे जा सकते हैं। इसका ट्रेंड बढ़ने की वजहों पर एक नजर।

यंगस्टर्स के स्टाइल स्टेटमेंट हेडफोंस और ईयरबड्स

हालांकि कोई बिल्कुल सटीक डाटा तो उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने युवा हेडफोंस और ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक शहरों में रहने वाला हर दूसरा यंगस्टर और गांव में रहने वाला हर चौथा युवा, हेडफोन या ईयरबड का इस्तेमाल कर रहा है। जहां तक इसके इस्तेमाल के वैश्विक आंकड़े की बात है तो एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 के अंत में करीब 1 अरब टीनएजर्स और यंगस्टर्स, ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे थे। दिल्ली, मुंबई, बैंग्लुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और चंड़ीगढ़ जैसे महानगरों में देखें तो लगता है, घर से बाहर जाने वाला हर युवा कान में ईयरबड्स या हेडफोंस लगाकर रखता है।

वजहें हैं कई: हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर विश्व स्तर पर हुए अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष यह है कि भारत या दुनिया के सभी हिस्सों में किशोरों और युवाओं के बीच इस कदर हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर बढ़ा लगाव, महज उनके संगीत प्रेम तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे कई तरह के दूसरे सामाजिक, तकनीकी और सांस्कृतिक कारण हैं। आइए, एक-एक करके इन्हें समझने की कोशिश करते हैं।

संगीत प्रेम: निःसंदेह आज की युवा पीढ़ी पिछली शताब्दी की कई पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा संगीत प्रेमी है। आज की युवा पीढ़ी संगीत को अपनी भावनाओं और व्यक्तित्व के साथ जोड़ती है। ये हेडफोंस और ईयरबड्स, उन्हें अपने पसंदीदा गानों को बिना किसी रुकावट और दूसरों को बिना डिस्टर्ब किए सुनने का अनुभव देते हैं, क्योंकि इनके जरिए युवा ऑन डिमांड म्यूजिक विभिन्न एप्स और म्यूजिक चैनलों के जरिए सुन सकते हैं।

फैशनेबल लुक: ईयरबड्स और हेडफोंस आज की तारीख में यंगस्टर्स के फैशन स्टेटमेंट का हिस्सा भी बन गए हैं। एप्पल एयरपोड्स, बोएट और जेबीएल जैसे ब्रांड्स ने ईयरबड्स और हेडफोंस को कहीं ज्यादा स्टाइलिश और ट्रेंडी बनाया है। इसके साथ महंगे ईयरबड्स या हेडफोंस का इस्तेमाल करना युवाओं के लिए एक स्टेटस सिंबल भी बन गया है।

वर्चुअल इंटरेक्शन: वायरलेस टेक्नोलॉजी ने कनेक्टिविटी को बेहद आसान और बिना किसी तरह की परेशानी वाला बना दिया है। ब्लू टूथ की सुविधा ने सचमुच इस दौर में लोगों को भीड़ में अकेला कर दिया है। यही नहीं शोरगुल भरे परिवेश में भी न्वॉयज कैंसिलेशन जैसे फीचर्स ने म्यूजिक को पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है। यही कारण है कि आज लोग चलते-फिरते अपने दूसरे कामों को बाधित किए बिना म्यूजिक का आनंद ले रहे हैं। साथ ही साथ तकनीकी सुविधाओं की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो वीडियो सामग्री की सुविधा बढ़ी है, उसके चलते भी ईयरबड्स की मांग बढ़ गई है।

पर्सनल स्पेस और प्राइवेसी: बहुत से युवा सार्वजनिक स्थानों पर असहज महसूस करते हैं, इसलिए वे ऐसी जगहों पर अपने पसंदीदा म्यूजिक के साथ रहना पसंद करते हैं और यह तभी संभव है, जब अच्छी क्वालिटी के ईयरबड्स और हेडफोंस की उन्हें सुविधा हो। जो यंगस्टर्स, कई तरह के गैजेट्स के प्रति लगाव रखती है, उनके लिए ईयरबड्स भी एक गैजेट ही है। इन्हीं वजहों से यंगस्टर्स में इनका क्रेज बढ़ता जा रहा है। *

होते हैं कई नेगेटिव इफेक्ट्स

भले हेडफोंस और ईयरबड्स का शौक यंगस्टर्स को बहुत भाता हो, लेकिन इसके बहुत सारे नुकसान भी हैं। लगातार हेडफोंस और ईयरबड्स का अगर हम 85 डेसिबल से अधिक ध्वनि के साथ इस्तेमाल करते हैं तो डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार यह कानों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। युवाओं के साथ समस्या यह है कि वो जरूरत से ज्यादा ऊंची आवाज में ही म्यूजिक सुनते हैं। इसलिए यह शौक उन्हें धीरे-धीरे बहरेपन या टिनिट्स समस्या की तरफ ले जा सकता है। इसका एक नुकसान यह भी है कि अकसर ईयरबड्स और हेडफोंस से लैस होने के कारण आजकल युवा, लोगों से बातचीत बहुत कम करते हैं, इस तरह उनका सोशल इंटरेक्शन बढ़ रहा है। कानों में लगातार ईयरबड्स पहनने से नमी बनी रहती है, जिस कारण यहां बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी हर समय बना रहता है। कानों में दर्द, जलन, माइग्रेन और सिरदर्द की भी समस्या बढ़ सकती है।

खास मुलाकात

पूजा सामंत

मां बनने के बाद यामी गौतम फिल्मों में फिर से एक्टिव हुई हैं। नेटफ्लिक्स पर उनकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में उनका रोल उनके नेचर से एकदम अपोजिट है, गाली-गलौज करने वाला। यामी के लिए यह रोल कितना चैलेंजिंग रहा? अब उनके पास कैसे रोल आ रहे हैं? खुली बातचीत यामी गौतम से।

अब मुझे स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर ऑफर हो रहे हैं : यामी गौतम

यामी गौतम सिर्फ खूबसूरत एक्ट्रेस ही नहीं हैं, वह एक सुलझी हुई और अच्छी एक्ट्रेस भी हैं। उन्होंने अपनी फिल्मों 'आर्टिकल 370', 'काबिल', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक', 'चोर निकल के भागा', 'विकी डोनर' और 'दसवीं' में यह सिद्ध भी किया है। निर्माता-निर्देशक आदित्य धर से विवाह के बाद एक बेटे की मां बनीं यामी एक बार फिर फिल्मों में एक्टिव हुई हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'धूम धाम' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में यामी ने 'नेवर बिफोर अवतार' में खुद को पेश किया है। पेश है यामी गौतम से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

इस शुक्रवार नेटफ्लिक्स पर आपकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हुई है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

इस फिल्म की कहानी बड़ी मजेदार है। इसे मेरे पति आदित्य धर ने लिखा है। इसे डायरेक्ट किया है ऋषभ सेठ ने। फिल्म में मेरे किरदार का नाम है कोयल चड्ढा, जिसकी शादी वीर पोद्दार (प्रतीक गांधी) से होती है। फिल्म में हमारी अरेंज्ड मैरिज होती है। हम एक-दूसरे के लिए बिल्कुल मिस-मैच्ड हैं। हमारी सोच, हमारी बोली, हमारे स्वभाव, हमारी आदतों में कोई समानता नहीं है। शादी के बाद ससुराल पहुंची कोयल और उसके पति वीर के बीच कैसी नोक-झोंक होती है, उनके कल्चरल डिफरेंसेस किस हद तक पहुंचते हैं, यह देखना दर्शकों के लिए काफी एंटरटेनिंग होगा।

फिल्म 'धूम धाम' में प्रतीक गांधी के साथ यामी गौतम

इस फिल्म में आपका किरदार जमकर गालियां देता है। पर्सनल लाइफ में गाली क्या, ऊंची आवाज में बात तक नहीं करतीं आप। ऐसे में कोयल चड्ढा जैसा अपोजिट किरदार निभाना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा?

'धूम धाम' में कोयल का किरदार है ही ऐसा। वह स्ट्रेट फॉरवर्ड है, आज के जमाने की है, जो अपनी बोलचाल, व्यवहार में कोई शालीनता या मर्यादा नहीं रखती। वह अपने मन की रानी है, बहुत ही साहसी भी है। वक्त पड़ने पर वो हाथा-पाई भी कर लेती है। वह अपनी डेली लाइफ में गाली-गलौज करती है। गालियां देना उसकी आदत में है। कोयल को गलियां देने में कोई संकोच नहीं है। फिल्म 'धूम धाम' के कैरेक्टर की डिमांड के अनुसार मुझे गाली देनी थी। कोयल और मेरी पर्सनालिटी में जमीन-आसमान का फर्क है, मैंने अपनी जिंदगी में कभी मामूली-सी भी गाली नहीं दी। मैं इसमें कंफर्टेबल नहीं फील कर रही थी। फिल्म में मेरे पति बने प्रतीक गांधी मुझे कंफर्टेबल कराने के लिए कहते थे कि वे मेरी गालियों को नहीं सुन रहे हैं, जिससे मैं कूल होकर डायलॉग्स बोल सकूं।

मां बनने के बाद आप पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ में क्या चेंज फील करती हैं?

मां बनने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मां बनने के बाद बायोलॉजिकल बदलाव लाजिमी हैं। इमोशनल स्तर पर भी एक स्त्री अधिक दयालु और सेंसिटिव हो जाती है। जहां तक प्रोफेशनल लाइफ की बात है, मां बनने के बाद एक एक्ट्रेस को अगर फैमिली से सपोर्ट मिले तो वह अपने बच्चे को वक्त देने के साथ-साथ अपने करियर पर भी फोकस कर सकती है। मां बनने के बाद मेरी जिंदगी में करियर के लिहाज से भी बहुत पॉजिटिव चेंज आए हैं। इन दिनों मेरे पास ऐसी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं, जो पहले कभी नहीं आए थे। मुझे अब पहले के मुकाबले स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर यानी मीनिंगफुल वूमेन ओरिएंटेड रोल मिल रहे हैं। मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ अब 360 डिग्री बदल चुकी है। मैं इसे सुखद बदलाव मानती हूं।

निर्माता-निर्देशक आदित्य धर के साथ आपने शादी से पहले भी फिल्म की है। अब वह आपके पति हैं, तो उनके साथ प्रोफेशनली कितना कुछ बदला है?

मैंने आदित्य के साथ 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' फिल्म में पहली बार काम किया। इस फिल्म के दौरान हम एक-दूसरे के प्रति कुछ स्पेशल फील करने लगे थे। आगे चलकर हमने शादी की फिर 'आर्टिकल 370' और अब 'धूम धाम' फिल्म साथ में की है। मैं हर अच्छी स्क्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहूंगी। फैमिली में आदित्य, उनके भाई लोकेश धर और अब मैं, फिल्म लाइन से जुड़े हैं। कई बार डायनिंग टेबल पर फिल्मों के टॉपिक्स निकलते हैं। लेकिन जब आदित्य मुझे फिल्म का रोल ऑफर करते हैं, तो वो प्रॉपर चैनल से मेरे पास आता है। मेरी मैनेजर मुझे उनकी स्क्रिप्ट सुनवाती है। कहानी, किरदार अच्छे लगें तो ही मैं उस ऑफर को एक्सेप्ट करती हूं। *

कैसे हैं पति-पिता के रोल में आदित्य धर

यामी गौतम से यह पूछने पर कि उनके पति आदित्य धर एक पति और पिता के रोल में कैसे इंसान हैं, वह बताती हैं, 'आदित्य बहुत ही अच्छे पति और पिता हैं। आदित्य ग्रेट स्टोरीटेलर हैं। हमारे बेटे वेदाविद को आदित्य कहानियां सुनाते हैं। हालांकि अभी बेटा उनकी कहानियां समझ नहीं पाता है, लेकिन वो अपने पापा के हाव-भावों को निहारता है, उसे एंज्वॉय करता है। हर कहानी के साथ आदित्य बहुत प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते हैं। मैं भी अपना काम छोड़कर पिता-पुत्र दोनों को देखती रहती हूं। आदित्य और वेदाविद के बीच जो अद्भुत, प्यार भरा रिश्ता है, मैं भी उसे महसूस करती हूं।'